Reporters Required!
For
Delhi, Haryana, UP,
Ludhiana, Shimla,
Bihar, Jammu, Jaipur
Amritsar, Bathinda,
Call/WhatsApp:
+91-9157875000
+91-9815619715
Email:
azadvaani65@gmail.com

Monthly Hindi/English Newspaper

Published from SAS Nagar (Mohali)

Azad वाणी

NEWS • VIEWS • ANALYSIS

RNI No.
PBBIL/26/A0779

Wed - 20 May - 2026 | Year - 01 | Issue - 44 | Page - 01 | Rs. - 5 | www.azadvaani.com

फिरोजपुर में बड़ा ड्रग नेटवर्क बेनकाब, 10 किलो हेरोइन

गिल कलां बना मिसाल, 100% नल जल आपूर्ति पर राष्ट्रीय सम्मान

पंजाब के बठिंडा जिले के रामपुरा ब्लॉक स्थित गांव गिल कलां ने सामुदायिक प्रबंधन आधारित जल आपूर्ति प्रणाली में देशभर के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में अपनी पहचान बनाई है। गांव में जनभागीदारी, जागरूकता अभियानों और पारदर्शी प्रबंधन के बल पर हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने की सफल व्यवस्था कायम की गई है। इसी उपलब्धि के चलते गांव को भारत सरकार द्वारा जल जीवन मिशन के तहत आयोजित 'सुजल ग्राम संवाद' वर्चुअल कॉन्फ्रेंस में विशेष सराहना मिली।

डिप्टी कमिश्नर Rajesh Dhiman ने बताया कि गिल कलां ने यह साबित किया है कि यदि ग्रामीण समुदाय स्वयं जिम्मेदारी निभाए और प्रशासन के साथ मिलकर कार्य करे, तो ग्रामीण जल आपूर्ति योजनाओं को स्थायी और सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गांव की उपलब्धि से पूरे बठिंडा जिले को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है।

डीसी ने जानकारी दी कि गांव की नहर आधारित जल आपूर्ति योजना को वर्ष 2020 में लगभग 2.96 करोड़ रुपये की लागत से अपग्रेड किया गया था। इसके बाद वर्ष 2021-22 में इस योजना को और मजबूत करने के लिए अतिरिक्त कार्य पूरे किए गए। सितंबर 2022 में योजना का संचालन और रखरखाव स्थानीय स्तर पर ग्राम पंचायत वाटर सप्लाई कमेटी (GPWSC) को सौंप दिया गया, जिसके बाद गांव में जल प्रबंधन की व्यवस्था और अधिक प्रभावी हो गई।

उन्होंने बताया कि गांव के सभी 784 घरों तक कार्यशील नल जल कनेक्शन पहुंचाए जा चुके हैं। शुरुआत में कई ग्रामीण सप्लाई के पानी को लेकर आशंकित थे और सबमर्सिबल पंप के पानी को प्राथमिकता देते थे। लेकिन जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाए गए। घर-घर संपर्क, सामुदायिक बैठकों और ग्रामीणों की मौजूदगी में फील्ड टेस्टिंग किट से किए गए पानी की गुणवत्ता परीक्षणों ने लोगों का विश्वास बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई।

पारदर्शी परीक्षण प्रक्रिया और सकारात्मक परिणामों के बाद ग्रामीणों ने स्वेच्छा से घरेलू जल कनेक्शन लेने शुरू किए, जिससे गांव में 100 प्रतिशत नल जल कवरेज हासिल हो गया। वर्तमान में गांव में प्रतिदिन चार घंटे स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है।

डीसी राजेश धीमान ने बताया कि पूरी जल आपूर्ति व्यवस्था का संचालन ग्राम पंचायत वाटर सप्लाई कमेटी द्वारा कुशलतापूर्वक किया जा रहा है। समिति ने सिस्टम के रखरखाव और नियमित संचालन के लिए निजी पंप ऑपरेटर भी नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि वार्षिक संचालन खर्च पूरा करने के बावजूद समिति को हर वर्ष करीब दो लाख रुपये की अतिरिक्त आय हो रही है। इतना ही नहीं, जल कनेक्शनों से प्राप्त आय के माध्यम से समिति लगभग छह लाख रुपये की बचत भी जमा कर चुकी है।

उन्होंने गांव की पंचायत, वाटर सप्लाई कमेटी जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारियों और ग्रामीणों की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों ने गिल कलां को टिकाऊ जल प्रबंधन का मॉडल गांव बना दिया है।

'मुख्यमंत्री सेहत योजना' बनी परिवारों की ढाल

चंडीगढ़, 20 मई: पंजाब पुलिस द्वारा राज्य को अपराध और गैंगस्टर गतिविधियों से मुक्त करने के उद्देश्य से शुरू किए गए 'गैंगस्टरों ते वार' अभियान ने चार महीने पूरे कर लिए हैं। इस दौरान पुलिस ने राज्यभर में बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए 77,895 स्थानों पर छापेमारी की और गैंगस्टरों व उनके सहयोगियों सहित 30,721 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। पंजाब पुलिस का कहना है कि यह अभियान आगे भी उसी सख्ती और तेजी के साथ जारी रहेगा।

उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरों ते वार' अभियान की शुरुआत 20 जनवरी 2026 को पंजाब के पुलिस महानिदेशकगौरव यादव द्वारा की गई थी। इस मुहिम का उद्देश्य राज्य में संगठित अपराध, गैंगस्टर नेटवर्क और आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) के समन्वय में सभी जिलों की पुलिस टीमें लगातार विशेष अभियान चला रही हैं।

विशेष डीजीपी कानून एवं व्यवस्था Praveen Sinha ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले चार महीनों में गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 569 हथियार, 1,613 जिंदा कारतूस, 157 मैगजीन, 181 तेजधार हथियार और सात हैंड ग्रेनेड बरामद किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस ने इस अवधि के दौरान 13,007 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई भी की, जबकि पूछताछ के बाद 17,711 लोगों को छोड़ दिया गया।

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान 1,108 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। वहीं, अभियान के 120वें दिन पुलिस टीमों ने राज्यभर में 557 स्थानों पर छापेमारी कर 246 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। इसके अलावा 10 लोगों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई और 10 घोषित अपराधियों को भी पकड़ा गया।

स्पेशल डीजीपी प्रवीन सिन्हा ने कहा कि पंजाब पुलिस संगठित अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति पर काम कर रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गोपनीय रूप से गैंगस्टरों, वांछित अपराधियों और आपराधिक गतिविधियों संबंधी जानकारी साझा करें। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

इसी के साथ पंजाब पुलिस ने नशों के खिलाफ जारी 'युद्ध नशों विरुद्ध' अभियान को भी तेज कर दिया है। अभियान के 445वें दिन पुलिस ने राज्यभर में कार्रवाई करते हुए 68 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया।

पंजाब ने स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए भारत सरकार के परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (पीजीआई) 2.0 2024-25 में देशभर में पहला स्थान प्राप्त किया है। राज्य को प्रचेष्टा-ग्रेड-1 मिला है। इस उपलब्धि के साथ पंजाब ने केरल, दिल्ली, महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों को पीछे छोड़ दिया है।

शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि सीखने के परिणाम और गुणवत्ता के क्षेत्र में पंजाब पूरे देश में सबसे आगे रहा है। राज्य ने इस महत्वपूर्ण श्रेणी में 150.4 अंक हासिल किए हैं। इस मूल्यांकन में विद्यार्थियों की भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान विषयों में दक्षता को आधार बनाया गया।

उन्होंने कहा कि पंजाब में चल रही शिक्षा क्रांति के कारण सरकारी स्कूल अब पूरे देश के लिए नए मानक स्थापित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में शिक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव किए गए हैं, जिनका सकारात्मक असर अब राष्ट्रीय स्तर पर दिखाई दे रहा है।

शिक्षा में पंजाब बना देश का नंबर-1 राज्य

पंजाब ने स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए भारत सरकार के परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (पीजीआई) 2.0 2024-25 में देशभर में पहला स्थान प्राप्त किया है। राज्य को प्रचेष्टा-ग्रेड-1 मिला है। इस उपलब्धि के साथ पंजाब ने केरल, दिल्ली, महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों को पीछे छोड़ दिया है।

शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि सीखने के परिणाम और गुणवत्ता के क्षेत्र में पंजाब पूरे देश में सबसे आगे रहा है। राज्य ने इस महत्वपूर्ण श्रेणी में 150.4 अंक हासिल किए हैं। इस मूल्यांकन में विद्यार्थियों की भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान विषयों में दक्षता को आधार बनाया गया।

उन्होंने कहा कि पंजाब में चल रही शिक्षा क्रांति के कारण सरकारी स्कूल अब पूरे देश के लिए नए मानक स्थापित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में शिक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव किए गए हैं, जिनका सकारात्मक असर अब राष्ट्रीय स्तर पर दिखाई दे रहा है।

शहीद करतार सिंह सराभा के नाम पर हो हलवारा एयरपोर्ट: भगवंत मान

हलवारा, 20 मई:पंजाब के Halwara Airport से उड़ानों की शुरुआत को राज्य के विकास और बेहतर कनेक्टिविटी की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री Bhagwant Mann ने मांग की कि इस हवाई अड्डे का नाम महान शहीद Kartar Singh Sarabha के नाम पर रखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार इस मांग को केंद्र सरकार के समक्ष मजबूती से उठाएगी।

उड़ानें शुरू होने के बाद पहली बार आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक Arvind Kejriwal के साथ हलवारा एयरपोर्ट पहुंचे मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एयरपोर्ट टर्मिनल का दौरा किया और लोगों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट लंबे समय से लंबित था, जिसे पंजाब सरकार के लगातार प्रयासों और वित्तीय सहयोग से पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के विकास पर पंजाब सरकार ने लगभग 54.67 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हलवारा एयरपोर्ट के चालू होने से पंजाब में व्यापार, उद्योग और निवेश को नई गति मिलेगी। नियमित उड़ानों के कारण लोगों को दिल्ली-एनसीआर सहित देश के अन्य हिस्सों तक पहुंचने में

सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि पहले उद्योगपतियों और व्यापारियों को सड़क मार्ग से दिल्ली जाने में काफी परेशानी उठानी पड़ती थी, जिससे समय, धन और ऊर्जा की बर्बादी होती थी। अब हवाई संपर्क बेहतर होने से आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी और पंजाब निवेश के लिए और आकर्षक बनेगा।

भगवंत मान ने कहा कि पंजाब सरकार राज्य में विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा विकसित करने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हलवारा एयरपोर्ट से और अधिक उड़ानें शुरू की जाएंगी, ताकि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने भरोसा जताया कि यह एयरपोर्ट पंजाब में औद्योगीकरण को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार शहीदों और महान संतों की विरासत को सम्मान देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने याद दिलाया कि मोहाली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम Bhagat Singh के नाम पर रखा गया है, जबकि आदमपुर एयरपोर्ट का नाम Guru Ravidas के नाम पर रखा गया। अब हलवारा एयरपोर्ट का नाम शहीद करतार सिंह सराभा के नाम पर रखा जाना चाहिए, जो इस क्षेत्र से जुड़े थे और जिन्होंने कम उम्र में देश की आजादी के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद करतार सिंह सराभा मात्र 19 वर्ष की आयु में देश के लिए शहीद हो गए थे। गदर आंदोलन के प्रमुख नेताओं में शामिल सराभा ने विदेशी धरती पर रहकर भी भारत की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया।

TruSoft | GST ACCOUNTING SOFTWARE WITH INVENTORY CONTROLS ERP | Software that touches every part of your business.

Advertisement

SOFTWARE & WEB DEVELOPMENT

"Design is not just what it looks like and feels like. Design is how it works."

CUSTOM SOFTWARE DEVELOPMENT | WEB DEVELOPMENT | MOBILE APP DEVELOPMENT | CLOUD SOLUTIONS

ACCURATE ACCOUNTING
INVENTORY CONTROLS
GST COMPLIANCE
SIMPLE & SECURE
RELIABLE SUPPORT

CALL US TODAY!
+91-9041012531

Software for Manufacturers, Traders, Dealers/Distributors

ALSO FOR:
Clinical Labs, Schools, Drycleaners, Transportation
Pharmaceuticals, Library, Non Banking/Finance, Weighing Scales
Institutes, Readymade Garments, Dairies, Cold Storage
Hotels, Restaurants, Apparels, Footwear, Shuttering, Sabzi Mandi

www.trusofterp.com | support@trusofterp.com | Smart Solutions. Stronger Businesses

बुधवार - 20 मई - 2026 | वर्ष - 01 | अंक - 01 | पृष्ठ - 44 | मूल्य - 5 रुपये | www.azadvaani.com

पंजाब में खाद्य सुरक्षा पर सख्ती: पनीर और दूध सैंपलिंग अभियान में कई नमूने फेल

चंडीगढ़, 20 मई:पंजाब सरकार ने राज्य में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और मिलावटखोरी पर लगाम लगाने के लिए बड़ा अभियान शुरू किया है। इसी कड़ी में फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) पंजाब ने पूरे राज्य में दो दिवसीय व्यापक पनीर सैंपलिंग अभियान चलाया, जिसके तहत 211 पनीर के सैंपल एकत्र किए गए। इससे पहले चलाए गए दूध सैंपलिंग अभियान में भी कई नमूने गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतर पाए थे।

पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि यह अभियान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान सरकार की "स्वस्थ और रंगला पंजाब" की सोच के तहत चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों को सुरक्षित और मानक खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है और मिलावट करने वालों के खिलाफ किसी भी तरह की ढील नहीं बरती जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि पनीर सैंपलिंग अभियान सोमवार और मंगलवार को पूरे राज्य में चलाया गया। यह अभियान एफडीए पंजाब के कमिश्नर कंवलप्रीत बराड़ की निगरानी में संचालित किया गया। अभियान के दौरान शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में डेयरियों, प्रोसेसिंग यूनिटों और खुदरा दुकानों की जांच की गई। विभिन्न स्थानों से कुल 211 पनीर के सैंपल एकत्र कर उन्हें जांच के लिए मान्यता प्राप्त स्टेट फूड लैबोरेटरी भेजा गया है।

डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि इन सैंपलों की जांच के माध्यम से यह पता लगाया जाएगा कि पनीर निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरा उतरता है या नहीं। साथ ही इसमें किसी प्रकार की मिलावट तो नहीं की गई। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई फूड बिजनेस ऑपरेटर नियमों का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसके खिलाफ फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि पनीर सैंपलिंग अभियान से पहले 6 और 7 मई 2026 को राज्यभर में दो दिवसीय दूध सैंपलिंग अभियान चलाया गया था। इस अभियान के तहत कुल 204 दूध के सैंपल लिए गए थे। जांच के दौरान इनमें से 68 सैंपल गुणवत्ता मानकों पर फेल पाए गए, जबकि एक नमूना असुरक्षित घोषित किया गया।

उन्होंने कहा कि दूध जैसे आवश्यक खाद्य पदार्थों में मिलावट जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। इसलिए सरकार सप्लाई चेन से मिलावटी दूध और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह खत्म करने के लिए लगातार निगरानी और कार्रवाई कर रही है।

उन्होंने लोगों से भी अपील की कि यदि उन्हें किसी खाद्य पदार्थ में मिलावट का संदेह हो तो तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित करें। उन्होंने कहा कि जनता की भागीदारी से ही मिलावटखोरी के खिलाफ इस अभियान को सफल बनाया जा सकता है।

विजिलेंस की बड़ी कार्रवाई: पीएसपीसीएल के पूर्व सीएमडी समेत तीन गिरफ्तार

चंडीगढ़, 20 मई 2026:पंजाब विजिलेंस ब्यूरो की आर्थिक अपराध शाखा, लुधियाना ने भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग से जुड़े एक मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पीएसपीसीएल के पूर्व चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर के.डी. चौधरी, पूर्व वरिष्ठ एक्सियन संजीव प्रभाकर और मैसर्स दामिनी रिजॉर्ट एंड बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड, लुधियाना के डायरेक्टर अमित गर्ग को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई विजिलेंस जांच नंबर 05, दिनांक 10 मई 2021 के निष्कर्षों के आधार पर की गई है।

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो के सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मामला बसंत एवेन्यू क्षेत्र में 66 केवी सबस्टेशन स्थापित करने से संबंधित है। जांच में पाया गया कि बसंत एवेन्यू के कॉलोनाइज़र ने पीएसपीसीएल के फील्ड अधिकारियों की मिलीभगत से उक्त सबस्टेशन को अपनी कॉलोनी में 1015 वर्ग गज भूमि पर स्थापित करवाया। इससे कॉलोनाइज़र को सीधा लाभ पहुंचा।

विजिलेंस जांच में यह भी सामने आया कि यदि तत्कालीन उच्च अधिकारियों द्वारा संबंधित फील्ड अधिकारियों को कॉलोनाइज़र की सभी कॉलोनियों की एनओसी और कुल बिजली लोड की संयुक्त जांच करने के निर्देश दिए जाते, तो सबस्टेशन की स्थापना का पूरा खर्च कॉलोनाइज़र को वहन करना पड़ता। लेकिन ऐसा नहीं किया गया और नियमों को नजरअंदाज करते हुए सबस्टेशन को मंजूरी दे दी गई।

प्रवक्ता के अनुसार बिजली मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का भी पालन नहीं किया गया। जिस स्थान पर 66 केवी बसंत एवेन्यू सबस्टेशन स्थापित किया गया, वहां तक पहुंचने के लिए कोई पक्की सड़क नहीं थी। यह स्थान पाखोवाल लिंक रोड से लगभग तीन किलोमीटर दूर खेतों और अविकसित क्षेत्र में स्थित था। इसके बावजूद इन गंभीर कमियों का जिक्र प्रस्ताव में या विभागीय रिकॉर्ड में नहीं किया गया।

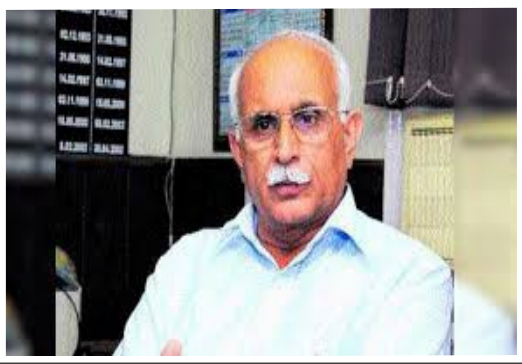

विजिलेंस जांच में यह भी सामने आया कि यदि तत्कालीन उच्च अधिकारियों द्वारा संबंधित फील्ड अधिकारियों को कॉलोनाइज़र की सभी कॉलोनियों की एनओसी और कुल बिजली लोड की संयुक्त जांच करने के निर्देश दिए जाते, तो सबस्टेशन की स्थापना का पूरा खर्च कॉलोनाइज़र को वहन करना पड़ता। लेकिन ऐसा नहीं किया गया और नियमों को नजरअंदाज करते हुए सबस्टेशन को मंजूरी दे दी गई।

प्रवक्ता के अनुसार बिजली मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का भी पालन नहीं किया गया। जिस स्थान पर 66 केवी बसंत एवेन्यू सबस्टेशन स्थापित किया गया, वहां तक पहुंचने के लिए कोई पक्की सड़क नहीं थी।

"हॉर्न-मुक्त चंडीगढ़" अभियान के लिए प्राचीन कला केंद्र की अनूठी पहल

चंडीगढ़, 20 मई:पंजाब में पड़ रही भीषण गर्मी और लू को देखते हुए महेंद्र चौधरी जूलॉजिकल पार्क, छत्तबीड़ चिड़ियाघर ने वन्य जीवों की सुरक्षा और देखभाल के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। वन एवं वन्यजीव संरक्षण मंत्री लाल चंद कटारूचक्क के निर्देशों के तहत चिड़ियाघर प्रबंधन ने जानवरों और पक्षियों को गर्मी से राहत देने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं।

चिड़ियाघर प्रशासन ने मांसाहारी जानवरों जैसे बाघ, शेर, तेंदुए और भालुओं के बाड़ों में डेजर्ट कूलर और एयर सर्कुलेटर पंखे लगाए हैं, ताकि उन्हें तेज गर्मी से राहत मिल सके। पशु प्रबंधन सेल लगातार निगरानी कर रहा है ताकि बाड़ों का तापमान नियंत्रित रहे और वातावरण ठंडा बना रहे। मच्छरों से बचाव के लिए सभी खिड़कियों पर जालियां भी लगाई गई हैं।

जानवरों को सीधी धूप से बचाने के लिए बाड़ों|

भीषण गर्मी से जानवरों को बचाने के लिए छत्तबीड़ चिड़ियाघर में विशेष इंतजाम

चंडीगढ़, 20 मई:पंजाब में पड़ रही भीषण गर्मी और लू को देखते हुए महेंद्र चौधरी जूलॉजिकल पार्क, छत्तबीड़ चिड़ियाघर ने वन्य जीवों की सुरक्षा और देखभाल के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। वन एवं वन्यजीव संरक्षण मंत्री लाल चंद कटारूचक्क के निर्देशों के तहत चिड़ियाघर प्रबंधन ने जानवरों और पक्षियों को गर्मी से राहत देने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं।

चिड़ियाघर प्रशासन ने मांसाहारी जानवरों जैसे बाघ, शेर, तेंदुए और भालुओं के बाड़ों में डेजर्ट कूलर और एयर सर्कुलेटर पंखे लगाए हैं, ताकि उन्हें तेज गर्मी से राहत मिल सके। पशु प्रबंधन सेल लगातार निगरानी कर रहा है ताकि बाड़ों का तापमान नियंत्रित रहे और वातावरण ठंडा बना रहे। मच्छरों से बचाव के लिए सभी खिड़कियों पर जालियां भी लगाई गई हैं।

जानवरों को सीधी धूप से बचाने के लिए बाड़ों और अन्य रिहायशी स्थानों को 75 प्रतिशत घनत्व वाले एग्रो नेट से ढका गया है। इससे छाया बनी रहती है और आसपास का तापमान कम रखने में मदद मिलती है। इसके अलावा पूरे चिड़ियाघर में पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए टैंकर और ट्रैक्टर हर समय तैयार रखे गए हैं।

अमृतसर में दुबई आधारित ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़, 14 किलो नशीले पदार्थ बरामद

चंडीगढ़/अमृतसर, 20 मई:पंजाब को नशा मुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए दुबई आधारित अंतरराष्ट्रीय ड्रग कार्टेल का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 किलोग्राम आईसीई (मेथामफेटामाइन) और 4 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। पंजाब पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई राज्य में सक्रिय अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहित उर्फ बची (19) निवासी गांव पावार, जिला जालंधर और अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श उर्फ हरमन (23) निवासी कोट खालसा, अमृतसर के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि दोनों आरोपी अबू धाबी और दुबई से नशा कारोबार संचालित करने वाले एक बड़े तस्कर के संपर्क में थे। यह तस्कर पंजाब और दिल्ली में नशीले पदार्थों की सप्लाई के लिए युवाओं का इस्तेमाल कर रहा था।

"हॉर्न-मुक्त चंडीगढ़" अभियान के लिए प्राचीन कला केंद्र की अनूठी पहल

चंडीगढ़:विश्व प्रसिद्ध "सिटी ब्यूटीफुल" चंडीगढ़ को ध्वनि प्रदूषण से मुक्त बनाने और लोगों को अनावश्यक हॉर्न बजाने के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्राचीन कला केंद्र द्वारा एक विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत गुरमत संगीत विभाग के प्रमुख डॉ. मलकीत सिंह जंडीयाला के नेतृत्व में विशेष संगीत संध्या "शांति नाद" का आयोजन किया जाएगा।

प्राचीन कला केंद्र के सेक्रेटरी सजल कौसर और डॉ. मलकीत सिंह जंडीयाला ने बताया कि "हॉर्न-मुक्त चंडीगढ़" विषय पर यह विशेष अभियान जनहित को ध्यान में रखते हुए शुरू किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य शहर में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करना और जिम्मेदार वाहन संचालन की भावना को बउन्होंने कहा कि यह पहल "स्वच्छ भारत अभियान" की भावना के अनुरूप समाज में नागरिक चेतना और सामाजिक जिम्मेदारी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

Advertisement

From Foundation to Finish – We Build Everything!

We specialize in high-quality construction services for: Residential Homes, Commercial Buildings Kothi & Luxury Villas, Showrooms & Shops, Flats & Apartments

WE PROMISE YOU FOR A BETTER FUTURE!

N M CONSTRUCTION
Excellence in every structure

#219 GF Maa Shimla Complex, Landran Road, Kharar, SAS Nagar, 140301, Punjab
Email: nmconstruction5151@gmail.com | Phone: +91-6009610096, 9872766841

herbegy™
Think pure think herbal

PREMIUM SPICES RANGE

Pure Spice. Rich Flavour.

PURE | AROMATIC | PREMIUM QUALITY

Advertisement

For Dealer Inquiry Contact:

727-515-0015

Printed by: Desh Sewak Printers Limited, Sector-29-D, Chandigarh – 160030 and Published by: Shafiur Rahman from #2111 SF, TDI City, Sector-110, Mohali, Sahibzada Ajit Singh Nagar, Punjab – 140307. Owner, Publisher & Chief Editor: Shafiur Rahman. Title Verification Number: PBBIL/26/A0779. Periodicity: Monthly.